तुम्हे नाव बचानी है | By Gautam Rathor

जिस नाव पे बैठा मैं
जर्जर है पुरानी है
कहीं डूब ना जाऊं प्रभु
तुम्हे नाव बचानी है

संसार तो सागर है
सागर बड़ा गहरा है
मोह माया के मोती हैं
रंग जिनका सुनेहरा है
लालच में फंसा मन कहे
तुम्हे डुबकी लगानी है
कहीं डूब ना जाऊं प्रभु
तुम्हे नाव बचानी है

पतवार है स्वार्थ की
मेरे हाथो नहीं सम्भले
तूफां है तानो के
मेरी नेकी के बदले
है दु:ख के भवर में फसी
तुम्हे पार लगानी है
कहीं डूब ना जाऊं प्रभु
तुम्हे नाव बचानी है

जिसका तू माझी है
वो डूब नहीं सकता
भव पार लगे नैया
मिल जाता है रस्ता
चोखानी की अर्ज़ी पे
करुणा बरसानी है
गौतम की अर्ज़ी पे
करुणा बरसानी है
कहीं डूब ना जाऊं प्रभु
तुम्हे नाव बचानी है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%b5-%e0%a4%ac%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-gautam-rathor/